an>

Title: Regarding reported death of civilians during a counter insurgency operation in Jammu and Kashmir.

PROF. SAUGATA ROY (DUM DUM): Hon. Chairperson, Sir, last year, I had accompanied the hon. Home Minister in an all Party Delegation to Jammu and Kashmir. Now, the situation in Kashmir is so grave. I think the hon. Minister should step in again.

The Jammu and Kashmir police chief on Thursday asked the youth to desist from the practice of storming encounter sites to pelt stones at the security forces during raging gun battles with terrorists. He described the practice as tantamount to committing suicides. In the encounter, even the security forces take cover of bullet proof vehicles or a house. The Youth coming to encounter sites are committing suicides. The Director General of Police, Shri S.P. Vaid told reporters while appealing to the youth to stay at home during encounters.

He further added:

> "A bullet does not see who is coming and who it will hit. So my appeal to all these young men is, as in the past, they should remain in their homes and not come to the site of the encounter. Of course stone pelting is not desirable at all."

I would also repeat this appeal to the youth not to come to encounter sites. He was addressing reporters here two days after three civilian protesters were killed in central Kashmir's Chadoora pocket when they indulged in stone pelting during a counter-insurgency operation in a bid to help a holed-up terrorist flee. More than 60 security personnel were injured in the stone pelting by the youth and at least 30 protesters were hurt in the firing of bullets and pellet guns by the security forces to protect themselves from the enraged mob. The DG said that the youth were being misled and misused by elements inimical to peace in the valley for their short term political gains.

The situation is grave and serious and I would like the Home Ministry to step in.

HON. CHAIRPERSON : Shri Ravindra Kumar Jena is permitted to associate with the issue raised by Prof. Saugata Roy.

गृह मंत्री (श्री राजनाथ सिंह) : सभापति जी, वरिष्ठ सदस्य श्री सौगत राय जी ने जम्मू-कश्मीर के जिस हालात की चर्चा यहाँ पर की है, उस संबंध में, मैं यह कहना चाहूँगा कि सदन ही नहीं, बल्कि सारा देश इस बात से परिचित है कि पाक स्पॉन्सर्ड इंफिल्ट्रेटर्स और पाक स्पॉन्सर्ड टेररिस्ट्स जम्मू-कश्मीर में दहशत का माहौल पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं यह मानता हूँ कि वे केवल जम्मू-कश्मीर में ही दहशत पैदा नहीं करना चाहते हैं अथवा वे केवल जम्मू-कश्मीर को ही डि-स्टैबिलाइज करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, बल्कि उन आतंकवादियों द्वारा पूरे भारत को ही डि-स्टैबिलाइज करने की कोशिश हो रही है।

मैं सदन को इस बात से अवगत कराना चाहता हूँ और हम सब को इस पर नाज़ भी होना चाहिए कि आतंकवादियों को जिस तरीके से जवाब दिया जाना चाहिए, उसी तरीके से, उसी लहज़े में हमारी सेना और सुरक्षा बल के जवान उनको जवाब दे रहे हैं।

विगत् कुछ महीनों से एक नया ट्रेंड चला है। ट्रेंड यह चला है कि जब भी हमारी सेना और सिक्युरिटी फोर्सेज़ के जवान ऑपरेशन प्रारंभ करते हैं, उस समय गांव के कुछ नौजवान लोग आ जाते हैं और सिक्युरिटी फोर्सेज के ऊपर पत्थरबाजी करना प्रारंभ कर देते हैं। लेकिन मैं यह मानता हूँ कि हमारे जम्मू-कश्मीर के जो नौजवान स्टोन पेल्टिंग करते हैं, वे कुछ पाक स्पांसर्ड फोर्सेज द्वारा गुमराह किये गये हैं।

मैं जम्मू-कश्मीर के नौजवानों से अपील करना चाहता हूँ कि कृपया पाकिस्तान के बहकावे में न आएं, उनके द्वारा भारत को बराबर इस प्रकार से डि-स्टैबिलाइज करने की कोशिश की जा रही है।

मैं सदन को यह भी जानकारी देना चाहता हूँ कि भीड़ को इकट्ठा किया जाता है, तो पाकिस्तान में डिफरेंट एप्लीकेशंस का प्रयोग करके सोशल मीडिया के माध्यम से बराबर भीड़ को इकट्ठा करने की कोशिश की जाती है, जिनमें वाट्सएप, फेसबुक आदि का प्रयोग किया जाता है। जैसाकि मैंने बताया, यह ग्रुप सोशल मीडिया को ऑपरेट करता है, वह पाकिस्तान में ही स्थित है। मैं यह जानकारी भी देना चाहता हूँ कि जहाँ तक आतंकवाद का सवाल है, उससे जैसे निपटना चाहिए, वैसे ही हमारी सेना और सुरक्षा के जवान उससे निपटेंगे। ...(व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON: No cross talking please. Mr. Venugopal, please sit down.

â€¦(व्यवधान)

श्री राजनाथ सिंह : इस समय हमारी सेना और सुरक्षा के जवान उन आतंकवादियों से निपट रहे हैं और आगे भी निपटेंगे। मैं यह बताना चाहता हूँ कि इसमें हमको निश्चित रूप से कामयाबी हासिल होगी।

प्रो. सौगत राय : मैं मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूँ, उन्होंने बहुत अच्छी तरह से जवाब दिया है।